ग्राधार पर ऐसा न करने के जबर्दस्त कारण मौजूद हों, केन्द्रीय सरकार के ग्रधीन ऐसी श्रेणी 11 ग्रौर श्रणी 1 (कनिष्ठ) पदो पर नियुक्ति के लिये प्रतियोगिता की ग्रनुमति दे दी जाय जिनके लिये हिन्दी की उच्चतर योग्यता ग्रथवा हिन्दी में उच्चस्तरीय दक्षता तथा हिन्दी के काम के ग्रनुभव की ग्रावश्यकता ग्रपेक्षित हो ।

**हिन्दी विश्व कोष**

2096. **श्री सिद्धेश्वर प्रसाद** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिन्दी विश्व कोष के ग्रब तक कितने खंड प्रकाशित किये गये हैं ;

(ख) शेष खंडों को कब प्रकाशित होना था ग्रौर वास्तव में वे कब प्रकाशित होंगे; ग्रौर

(ग) उनके प्रकाशन में ग्रत्यधिक विलम्ब होने के क्या कारण हैं ग्रौर उसे दूर करने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है ?

**शिक्षा मंत्रालय में उप-मंत्री ( श्री भक्त दर्शन )**: (क) पांच ।

(ख) सभी खंड 1964 के ग्रन्त तक प्रकाशित होने थे । शेष खंडो के ग्रब 1966 ग्रौर 1967 के दौरान प्रकाशित होने की संभावना है ।

(ग) (i) बारबार त्यागपत्र दिये जाने ग्रौर उपयुक्त योग्य व्यक्तियों की ग्रनुपलब्धता के कारण लम्बी ग्रवधियों तक सम्पादकीय स्टाफ में पदों रिक्त रहना ;

(ii) लेखकों द्वारा उन्हें दिये गए विषयों संबंधी लेख भेजने में देरी करना ;

(iii) ग्रपेक्षित स्तर का कागज प्राप्त होने म कठिनाई ; ग्रादि ।

इन सभी कठिनाइयों को दूर करने के लिए उपयुक्त कार्रवाई की गई है ।

**दयानन्द नेशनल हाई स्कूल, दिल्ली**

2097. **श्री रा० स० तिवारी :**
**श्री वाडीवा :**
**श्री लखमू भवानी :**
**श्रीमती श्यामकुमारी देवी :**

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने दयानन्द नेशनल हाइ स्कूल, पटौदी हाउस, दरियागंज, दिल्ली को मान्यता प्रदान की थी ;

(ख) यदि हां, तो मान्यता किन वर्षों के लिये प्रदान की गयी थी ; ग्रौर

(ग) क्या यह स्कूल ग्रब भी चल रहा है या बन्द हो गया है ?

**शिक्षा मंत्री ( श्री मु० क० चागला )**: (क) से (ग). स्कूल ग्रब नहीं चल रहा है । इस स्कूल से संबधित दिल्ली प्रशासन के पास कोई रिकार्ड नहीं है ।

**Civil Engineers**

2098. **Shri M. S. Murti:** Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Civil Engineering personnel in the country have become surplus and are facing unemployment;

(b) if so, the steps taken to find out employment for them; and